न्यायियों 2

फिर से इस्राएलियों ने परमेश्वर की दृष्टि में बुरा किया, और पीछे हट गए।
इसलिये परमेश्वर ने उन्हें मिद्यानियों के वश में सात वर्ष कर रखा।
इस बार सताव इतना भयंकर था कि इस्राएलियों ने पहाड़ों के गहिरे खड्डों, और गुफाओं, और किलों को अपना निवास बना लिया।
जब मिद्यानी और उनके सहयोगी इस्राएल में आते वे किसी भी जीव को न छोड़ते थे – न भेड़-बकरी, और न गाय-बैल, और न गधा।
वे बड़ी दुर्दशा में पड़ गए; तब इस्राएलियों ने छुटकारे के लिए परमेश्वर की दोहाई दी।
और परमेश्वर ने जवाब में इस्राएलियों के पास एक भविष्यद्वक्ता को भेजा।
मैं ने तुम को मिस्र के हाथ से, वरन जितने अन्धेर करते थे उन सभी के हाथ से छुड़ाया, फिर भी तुम मेरी नहीं सुनते।
मैं ने तुम से कहा, कि इस देश के देवताओं की उपासना न करना परन्तु तुम ने मेरा कहना नहीं माना।

न्यायियों 6:1-10

और परमेश्वर ने अपने लोगों की दुहाई सुन कर उत्तर दिया।
हे शूरवीर सूरमा, परमेश्वर तेरे संग है।
यदि परमेश्वर हमारे संग होता, तो यह सब विपत्ति क्यों पड़ती?
और जितने आश्चर्यकर्मों के बारे में हमारे पुरखा हमें बताते थे, वे कहाँ रहे?
अब तो हम को त्याग कर मिद्यानियों के हाथ कर दिया है।
अपनी इसी शक्ति पर जा और तू इस्राएलियों को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ा।
परन्तु कैसे? मेरा कुल सब से कंगाल है, फिर मैं अपने घराने में सब से छोटा हूँ।
मैं तेरे संग रहूँगा; सो तू मिद्यानियों को मार लेगा।

न्यायियों 6:1-16

यदि तेरा अनुग्रह मुझ पर हो, तो मुझे कोई चिन्ह दिखा कि तू ही मुझसे बातें कर रहा है।
मुझे तेरे पास एक भेंट लाने दे - जब तक मैं तेरे पास फिर न आऊँ तू यहाँ से न जा।
मैं नहीं जाऊँगा।
मैं परमेश्वर को भेंट चढ़ाने के लिए मांस और अखमीरी रोटी लाया हूँ।
मांस और अखमीरी रोटियों को लेकर इस चट्टान पर रख दे।
हे, परमप्रधान परमेश्वर! मैंने साक्षात दूत को देखा है।
मत डर, तू न मरेगा।
तब गिदोन ने वहाँ परमेश्वर की एक वेदी बनाई।
मैं इसे कहूँगा "परमेश्वर शालोम है"।

न्यायियों 6:17-24

फरि उसी रात को परमेश्वर ने गदीन से कहा...
“बाल की जो वेदी तेरे पति की है उसे गरिा दे...”
“जो अशेरा देवी उसके पास है उसे काट डाल।”
“ठहराई हुई रीत सि अपने परमेश्वर यहोवा की एक वेदी बना।”
गदीन यह सब कुछ रात के समय क्यों कर रहा है ?
वह अपने परविार के – और नगर के लोगों से भयभीत है।
अगली सुबह ...
यह कसिने कयिा ?
यह योआश के पुत्र - गदीन का काम है।
उसे इसकी कीमत चुकानी पढ़ेगी। इससे बाल अत क्रिोधति होगा। हम योआश के पास चलेंगे।

न्यायियों 6:25 – 29

अपने पुत्र को बाहर ले आ, कि मार डाला जाए, क्योंकि उसने बाल की वेदी को गिरा दिया है, और उसके पास की अशेरा को भी काट डाला है।
क्या तुम बाल के लिये वाद विवाद करोगे?
यदि बाल सच में परमेश्वर हो, तो जिसने उसकी वेदी गिराई है उस से वह आप ही अपना वाद विवाद करे।
उस दिन से गिदोन का नाम यरूब्बाल रखा गया, जिसका अर्थ बाल आप वाद विवाद कर ले।
पर इस्राएल के लोग भयभीत हो गए।
इसके बाद सब मिद्यानी और अमालेकी और पूर्वी लोगों ने यरदन को पार कर तराई में डेरे डाले – उन्होंने अपने मार्ग में किसी को भी न छोड़ा।

न्यायियों 6:31 – 33

सारे देश में नरसिगा फूँको – मिद्यानियों से युद्ध के लिए सारे इस्राएली मेरे साथ आ जाओ।
परमेश्वर, क्या तू सच में अपने हाथ से इस्राएल को मेरे द्वारा छुड़ाएगा?
देख, मैं एक ऊन को खलिहान में रखूँगा।
और यदि ओस उस ऊन पर पड़े, और सारी भूमि सूखी रह जाए, तो मैं जान लूँगा कि तू मेरे संग होगा।
अगली सुबह ...
परमेश्वर, यदि मैं एक और विनती करूँ।
इस बार केवल ऊन ही सूखी रहे, और सारी भूमि पर ओस पड़े।
परमेश्वर को मालूम था कि उसके विश्वास को बल की जरूरत है और अगले दिन उसकी विनती का अपनी कृपा में उत्तर दिया।
सच में परमेश्वर आप मेरे संग हो।

न्यायियों 6:36-40

एक समझदार अगुवे के समान, गदीन ने मद्‌यानियों का सामना करने के लिए युद्ध की योजना तैयार की।
पर परमेश्‍वर की योजना थोड़ी अलग थी ....
तेरे जो लोग मेरे लिए इतने हैं कि मैं मद्‌यानियों को उनके हाथ नहीं कर सकता।
नहीं तो इस्राएल यह कहकर मेरे विरुद्ध अपनी बड़ाई मारने लगे, कि हम अपने ही भुजबल के द्वारा बचे हैं यह प्रचार करके सुना दे...
जो कोई डर के मारे थरथराता हो, वह गलिाद पहाड़ से लौटकर चला जाए।
केवल दस हजार के साथ जो रह गए, गदीन मद्‌यानियों का सामना करने के लिए नकिला।

न्यायियों 7:1-3

अब भी लोग अधकि हैं। उन्हें सोते के पास नीचे ले चल, वहाँ मैं उन्हें तेरे लयि परखूँगा।
जसिके वषिय में मैं कहूँ, कयिह तेरे संग चले, वह तेरे संग चले; और जसिके वषिय में मैं कहूँ, कयिह तेरे संग न जाए, वह न जाए।
जतिने कुत्ते की नाईं जीभ से पानी चपड़ चपड़ करके पीएँ उनको अलग रख; और उन्हें भी जो घुटने टेककर पीएँ।
इन तीन सौ चपड़ चपड़ करके पीने वालों के द्वारा मैं तुम को छुड़ाऊँगा, और मदि्यानयिों को तेरे हाथ में कर दूँगा।
बाकी सब लोग अपने अपने तम्बुओं को लौट जाएँ।
ऐसा करने से हमारे पास तीन सौ आदमी रह जाएँगे।
तीन सौ आदमयिों को नरसगि और दूसरा सामान दो।

न्यायियों 7:4-8

उठ, मद्यिानयिों की छावनी पर चढ़ाई कर; क्योंकि मैं उसे तेरे हाथ कर देता हूँ।
परन्तु यदि तू चढ़ाई करते डरता हो, तो अपने सेवक फूरा को संग लेकर छावनी के पास जाकर सुन वे क्या कह रहें हैं।
मैं ने स्वप्न देखा है कि जौ की एक रोटी लुढ़कते लुढ़कते मद्यिान की छावनी में आई।
इसने डेरे को ऐसी टक्कर मारी कि वह गरि गया, और उसको ऐसा उलट दयिा।
यह गदीोन की तलवार को छोड़ कुछ नहीं है।
उसी के हाथ में परमेश्वर ने मद्यिान को सारी छावनी समेत कर दयिा है।

न्यायियों 7:9-14

सही मायने में परमेश्वर अपने लोगों को नहीं भूला।
तूने इस्राएल के लोगों के विषय में मेरी प्रार्थना को सुना है।
मेरे पीछे आओ - जल्दी से!
उठो, यहोवा ने मिद्यानी सेना को तुम्हारे वश में कर दिया है।

न्यायियों 7:15

हर एक पुरुष को हाथ में एक नरसगिा और खाली घड़ा लेना है जसिके भीतर एक मशाल हो।
गदिीन हमें बताएगा कआिगे क्या करना है।
इनको तीन झुण्डों में बाँट दो – 100 का एक।
मेरे पीछे आओ। जब मैं छावनी की छोर पर पहुँचूँ, तब जैसा मैं करूँ वैसा ही तुम भी करना।
बीच वाले पहर के आद मिें ज्योंही पहरूओं की बदली हो रही थी त्योंही गदिीन अपने संग के पुरुषों के साथ छोर पर पहुँच गया।

न्यायियों 7:16-19

यहोवा की तलवार
और गिदोन की तलवार !

हर एक – अपने स्थान में हो जाएँ।
तीन सौ नरसिंगों की आवाज से परमेश्वर ने छावनी के लोगों में घबराहट पैदा कर दी। एक एक पुरुष की तलवार उसके संगी पर चलवाई।
न्यायियों 7:19-22

इस्राएल के दूसरे गोत्रों को बुलवा भेज कि वे हमारे साथ शामिल हों इससे पहले कि वे फिर से इकट्ठे हों।
एप्रैमी, नप्ताली और मनश्शे की ओर दूत जा रहें हैं।
एप्रैमी पुरुषों से कहो कि यरदन नदी के घाटों को अपने वश में कर लो। कहीं ऐसा न हो कि मिद्यानी वहाँ से भाग निकलें और हमारे हाथों से बच जाए।
हमारे आदमियों ने उसे अपने वश में कर लिया है।
वहाँ ओरेब और जेब के हाकिम हैं, दो मिद्यानी अगुवे जिन्हें आप तलाश कर रहें हैं।
हम एप्रैमी तेरे भाई हैं और जब मिद्यान से लड़ने को चला तब हम को नहीं बुलवाया।
तब तुम्हारे बराबर मैं कर ही क्या सका?
परमेश्वर ने ओरब और जेब नाम को तुम्हारे ही हाथों में कर दिया।
अपने भाइयों को ठंडा करने के पश्चात तब गिदोन और उसके थके संगी यरदन के पार हो गए।
वे सुक्कोत नगर में आ पहुँचे।

मेरे पीछे इन आने वालों को रोटियाँ दो। ये थके मान्दे हैं; और मैं मिद्यानी राजाओं का पीछा कर रहा हूँ।
क्या जेबह और सल्मुन्ना तेरे हाथ में पड़ चुके हैं ?
हम तेरी सेना को रोटी क्यों दें?
जब यहोवा जेबह और सल्मुन्ना को मेरे हाथ में कर देगा, तब मैं तुमको जंगल के कटीले और बिच्छू पेड़ों से नुचवाऊँगा।
निश्चित रूप से, पनूएल के लोग हमारी सहायता को आएँगे।
मेरी मदद से इनकार करने पर जब मैं कुशल से लौट आऊँगा, तब इस गुम्मट को ढा दूँगा।

मदि्यानी छावनी में एक लाख बीस हजार हथयिारबन्द घबराहट में पड़ गए...
... मदि्यानी राजाओं, जेबह और सलमुन्ना ने उन्हें फरि से इक्ट्ठा कयिा जो पन्द्रह हजार पुरुष उनके साथ रह गए थे।
अब तक मदि्यानयिों ने उन्हें फरि से एकत्रति कर लयिा होगा।
हमारा बेहतरीन हमला नोबह के पूर्व की ओर मार्ग में चढ़कर उन्हें हैरानी में डालना होगा।
अब, पनूएल और सुक्कोत के लोग मेरा जवाब देंगे।

हमें सुक्कोत के अपने शहर के सभी अधिकारियों के नाम बताओ।
यहाँ जेबह और सल्मुन्ना जिनके बारे में तूने मुझे ताना मारा था और मेरे लोगों को भोजन कराने से इनकार कर दिया था।
इन्हें अच्छे से कोड़े मारो कि वे अगली बार जब इनको किसी का बचाव करने का अवसर मिले यह याद रखे।
अब, पनुएल के लोग कीमत चुकाएँगे।
गुम्मट को ढा दो और उस नगर के मनुष्यों को घात करो।
मैं चाहता हूँ कि तुम्हें अनाज्ञाकारी की कीमत मालूम हो।

आपने कसि तरह के पुरुषों को टैबर में मारा?
जैसा तू वैसे ही वे भी थे अर्थात एक एक का रूप राजकुमार का सा था।
वे तो मेरे भाई, वरन मेरे सहोदर भाई थे।
यहोवा के जीवन की शपथ, यदि तुमने उनको जीवति छोड़ा होता, तो मैं तुमको घात न करता।
यतेर मेरे पुत्र, उठकर अपनी तलवार से इन राजाओं को घात कर।
उठ तू आप ही ऐसा कर।
“जैसा पुरुष हो, वैसा ही उसका पौरुष भी होगा।”

न्यायियों 8:18-21

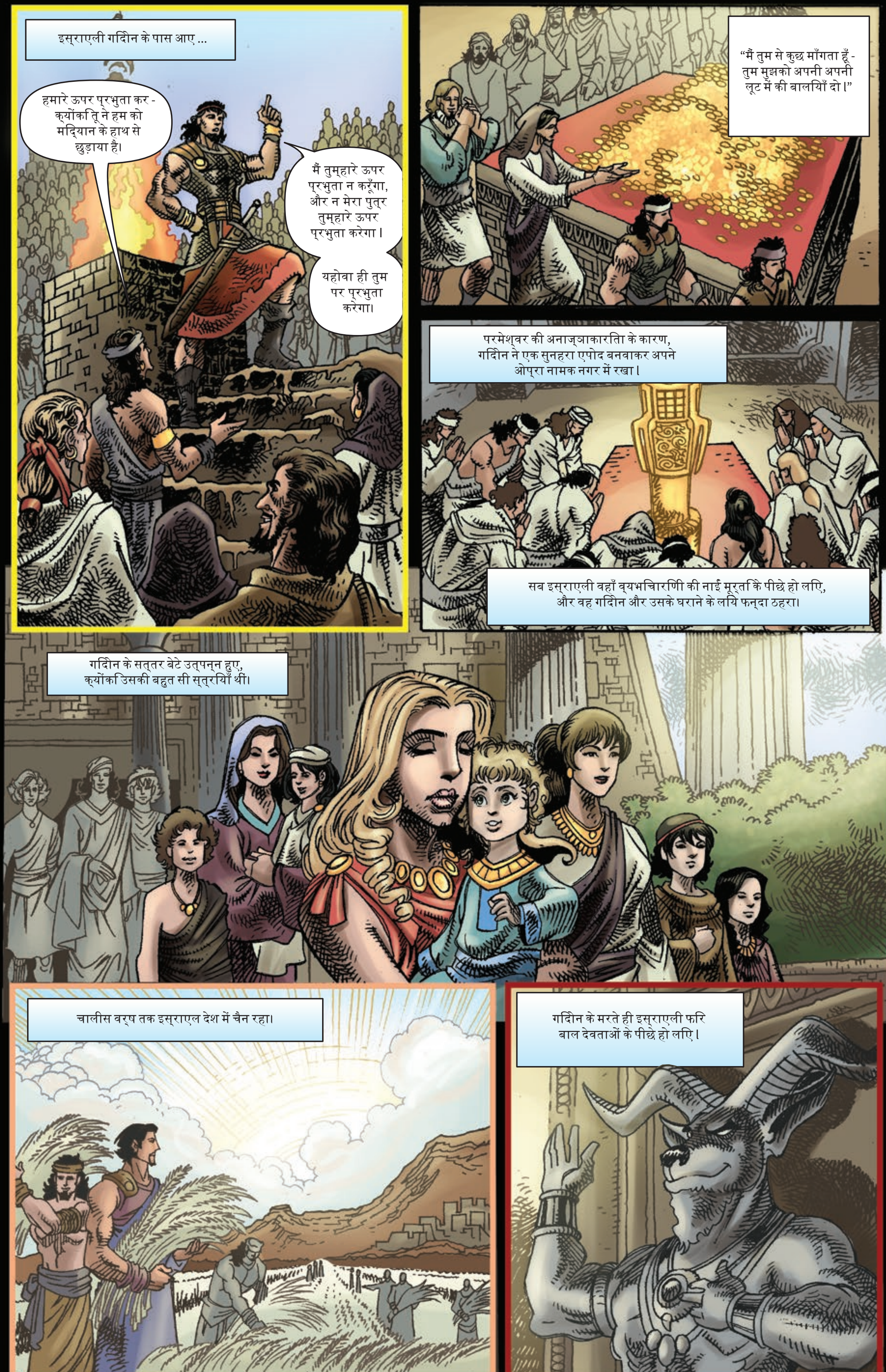
इस्राएली गदीन के पास आए ...
हमारे ऊपर प्रभुता कर - क्योंकि तू ने हम को मदियान के हाथ से छुड़ाया है।
मैं तुम्हारे ऊपर प्रभुता न करूँगा, और न मेरा पुत्र तुम्हारे ऊपर प्रभुता करेगा।
यहोवा ही तुम पर प्रभुता करेगा।
“मैं तुम से कुछ माँगता हूँ - तुम मुझको अपनी अपनी लूट में की बालियाँ दो।”
परमेश्वर की अनाज्ञाकारिता के कारण, गदीन ने एक सुनहरा एपोद बनवाकर अपने ओप्रा नामक नगर में रखा।
सब इस्राएली वहाँ व्यभिचारिणी की नाई मूरत के पीछे हो लिए, और वह गदीन और उसके घराने के लिये फन्दा ठहरा।
गदीन के सत्तर बेटे उत्पन्न हुए, क्योंकि उसकी बहुत सी स्त्रियाँ थीं।
चालीस वर्ष तक इस्राएल देश में चैन रहा।
गदीन के मरते ही इस्राएली फिर बाल देवताओं के पीछे हो लिए।

उसकी बहुत पत्नियों के साथ साथ, गर्दीन की एक रखैली से एक पुत्र उत्पन्न हुआ, और उसका नाम अबीमेलेक रखा।
जब वह बड़ा हुआ नगर वासियों के पास गया जहाँ वह रहता था।
शकेम के मनुष्यों, तुम्हारे लयि क्या भला है?
क्या यह कि यिरूब्बाल (गर्दीन)के सत्तर पुत्र तुम पर प्रभुता करें? या यह कि एक ही पुरुष ?
याद रखो – मैं भी तुम्हारा मांस और हड्डी हूँ।
शकेम के सब मनुष्यों ने अपना मन अबीमेलेक के पीछे लगा दयि।
तब उन्होंने बाल के मन्दरि में से सत्तर टुकड़े रूपे उसको दिए।

न्यायियों 9:1-4

अबीमेलेक ने उन्हें लगाकर उससे नीच और लुच्चे जन रख लिए, जो उसके पीछे हो लिए।
तब वह उस घात के स्थान पर गया ...
तब उसने ओप्रा में अपने पिता के घर जाकर जो यरूब्बाल के सत्तर पुत्र थे एक ही पत्थर पर घात किए।
परन्तु गदीोन का छोटा पुत्र योताम छपिकर बच गया।

न्यायियों 9:1-5

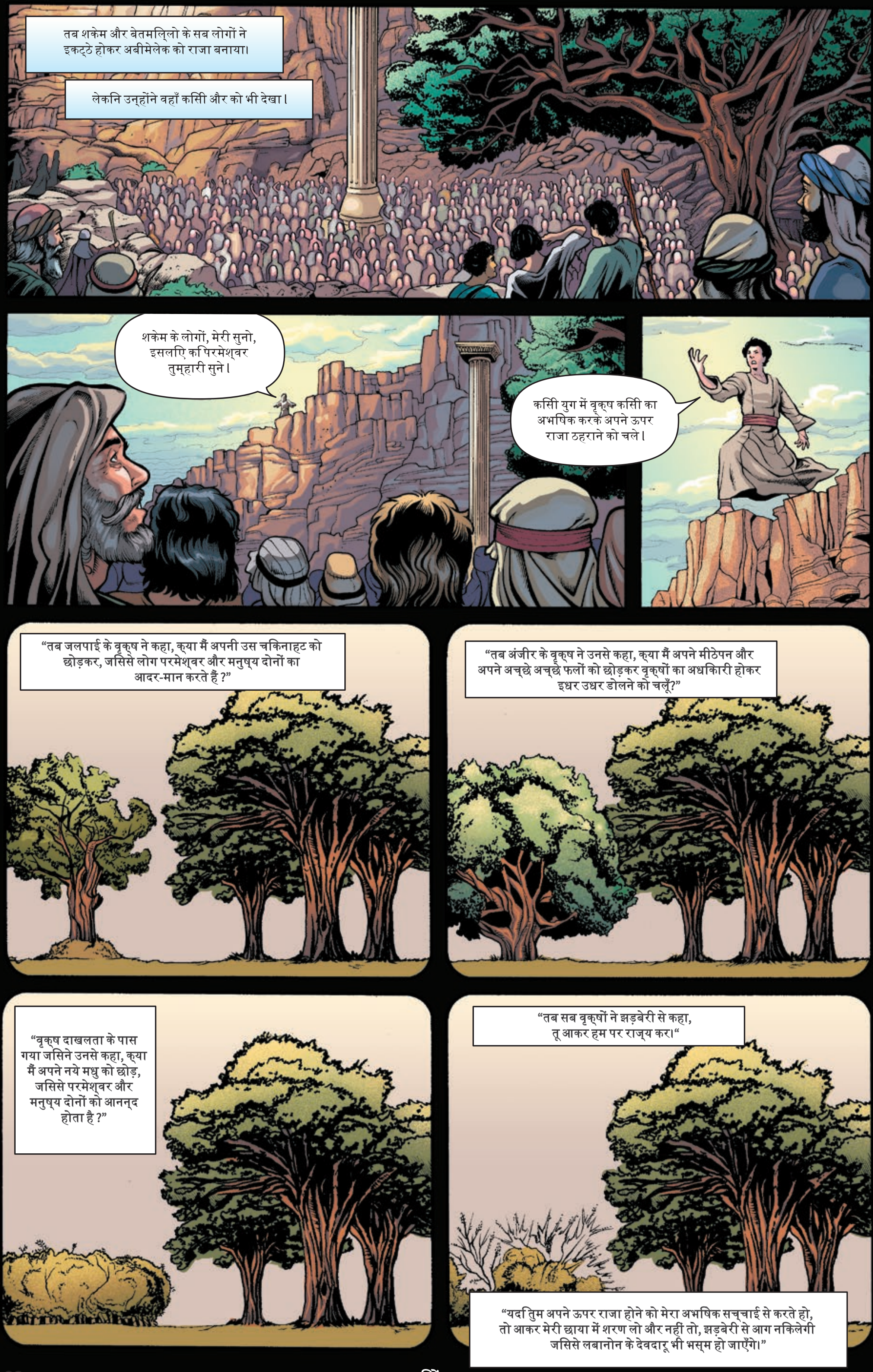
तब शकेम और बेतमिल्लो के सब लोगों ने इकट्ठे होकर अबीमेलेक को राजा बनाया।
लेकिन उन्होंने वहाँ किसी और को भी देखा।
शकेम के लोगों, मेरी सुनो, इसलिए कि परमेश्वर तुम्हारी सुने।
किसी युग में वृक्ष किसी का अभिषेक करके अपने ऊपर राजा ठहराने को चले।
“तब जलपाई के वृक्ष ने कहा, क्या मैं अपनी उस चिकनाहट को छोड़कर, जिससे लोग परमेश्वर और मनुष्य दोनों का आदर-मान करते हैं ?”
“तब अंजीर के वृक्ष ने उनसे कहा, क्या मैं अपने मीठेपन और अपने अच्छे अच्छे फलों को छोड़कर वृक्षों का अधिकारी होकर इधर उधर डोलने को चलूँ?”
“वृक्ष दाखलता के पास गया जिसने उनसे कहा, क्या मैं अपने नये मधु को छोड़, जिससे परमेश्वर और मनुष्य दोनों को आनन्द होता है ?”
“तब सब वृक्षों ने झड़बेरी से कहा, तू आकर हम पर राज्य कर।“
“यदि तुम अपने ऊपर राजा होने को मेरा अभिषेक सच्चाई से करते हो, तो आकर मेरी छाया में शरण लो और नहीं तो, झड़बेरी से आग निकलेगी जिससे लबानोन के देवदारू भी भस्म हो जाएँगे।”

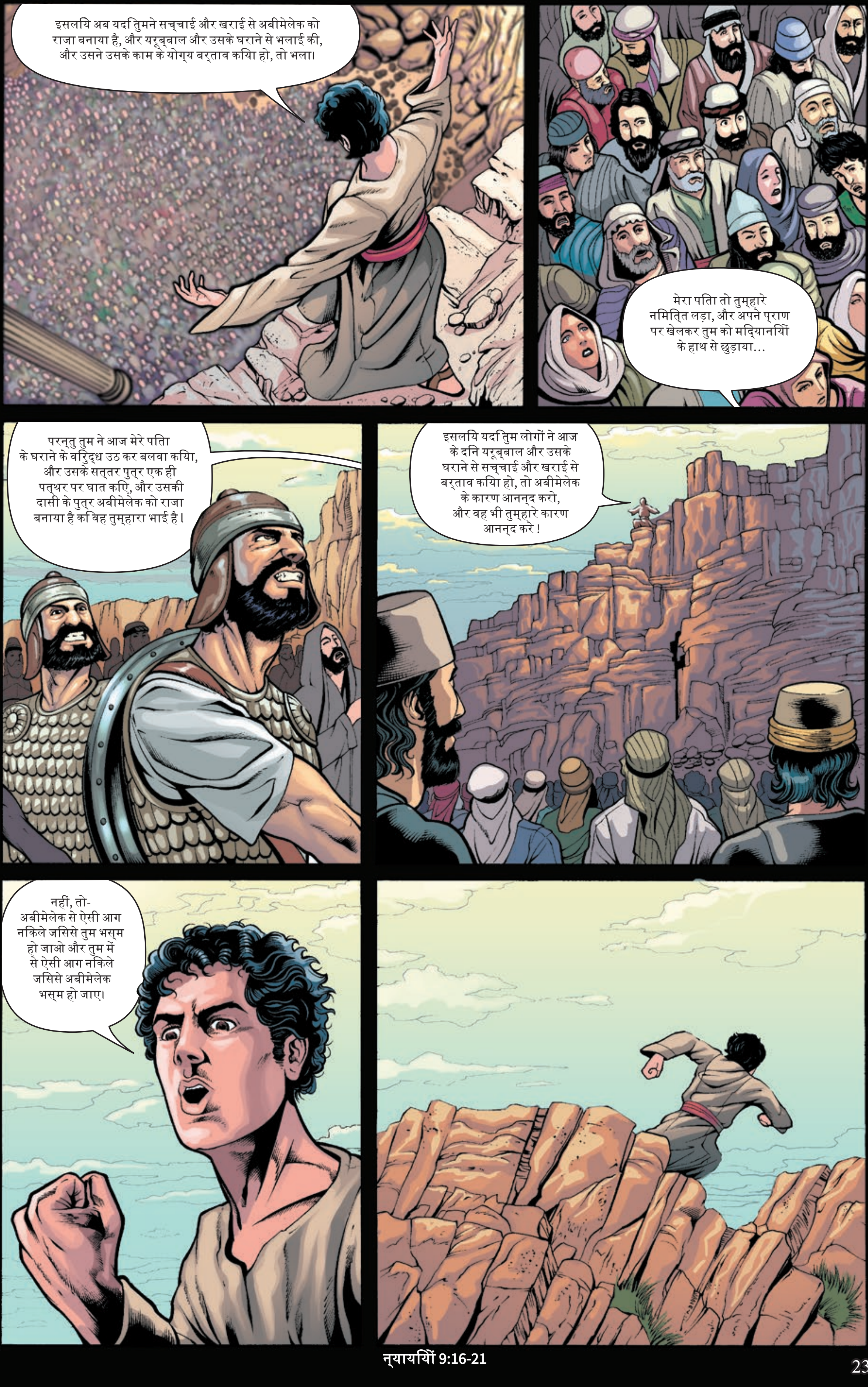

इसलिये अब यदि तुमने सच्चाई और खराई से अबीमेलेक को राजा बनाया है, और यरूब्बाल और उसके घराने से भलाई की, और उसने उसके काम के योग्य बर्ताव किया हो, तो भला।
मेरा पिता तो तुम्हारे निमित्त लड़ा, और अपने प्राण पर खेलकर तुम को मिद्यानियों के हाथ से छुड़ाया...
परन्तु तुम ने आज मेरे पिता के घराने के विरुद्ध उठ कर बलवा किया, और उसके सत्तर पुत्र एक ही पत्थर पर घात किए, और उसकी दासी के पुत्र अबीमेलेक को राजा बनाया है कि वह तुम्हारा भाई है।
इसलिये यदि तुम लोगों ने आज के दिन यरूब्बाल और उसके घराने से सच्चाई और खराई से बर्ताव किया हो, तो अबीमेलेक के कारण आनन्द करो, और वह भी तुम्हारे कारण आनन्द करे!
नहीं, तो- अबीमेलेक से ऐसी आग निकले जिससे तुम भस्म हो जाओ और तुम में से ऐसी आग निकले जिससे अबीमेलेक भस्म हो जाए।

तीन साल बाद, परमेश्वर ने अबीमेलेक और शकेम के मनुष्यों के बीच एक बुरी आत्मा भेज दी।
उसने ऐसा इसलिए किया, जिससे गिदोन के सत्तर पुत्रों पर किए हुए उपद्रव का फल भोगा जाए।
तब शकेम के मनुष्यों ने पहाड़ों की चोटियों पर उसके लिये घातकों को बैठाया, जो उस मार्ग से सब आने जाने वालों को लूटते थे और इसका समाचार अबीमेलेक को मिला।
उन्होंने किसी दूसरे अगुवे पर विश्वास करना भी आरम्भ किया...
मेरा पक्ष गाल और उसके भाइयों के साथ है कि वे हमारी अगुवाई करें।
हाँ, हमें अपना अगुवा आप चुनना चाहिए।

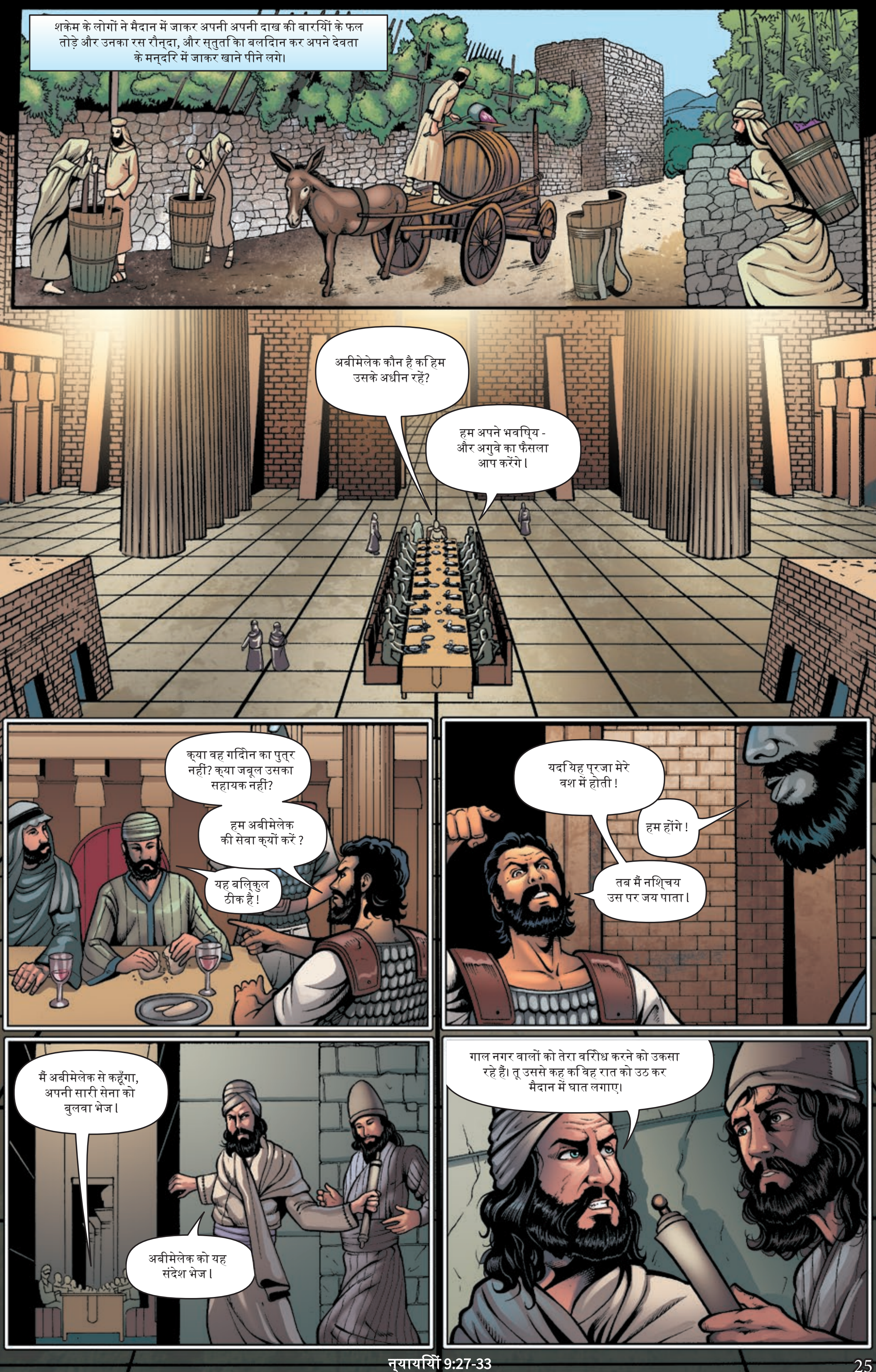
शकेम के लोगों ने मैदान में जाकर अपनी अपनी दाख की बारियों के फल तोड़े और उनका रस रौन्दा, और स्तुति का बलदिान कर अपने देवता के मन्दरि में जाकर खाने पीने लगे।
अबीमेलेक कौन है कि हम उसके अधीन रहें?
हम अपने भवषि्य - और अगुवे का फैसला आप करेंगे।
क्या वह गदिोन का पुत्र नहीं? क्या जबूल उसका सहायक नहीं?
हम अबीमेलेक की सेवा क्यों करें ?
यह बलि्कुल ठीक है !
यदयिह प्रजा मेरे वश में होती !
हम होंगे !
तब मैं नशि्चय उस पर जय पाता।
मैं अबीमेलेक से कहूँगा, अपनी सारी सेना को बुलवा भेज।
अबीमेलेक को यह संदेश भेज।
गाल नगर वालों को तेरा वरिोध करने को उकसा रहे हैं। तू उससे कह कि वह रात को उठ कर मैदान में घात लगाए।

न्यायियों 9:27-33

देख, पहाड़ों की चोटियों पर से लोग उतरे आते हैं !
पहाड़ों की छाया है जो तुझे मनुष्यों के समान दिखाई पड़ती है।
देख, लोग देश के बीचोंबीच होकर उतरे आते हैं, और एक झुण्ड मोननीम नामक बांज वृक्ष के मार्ग से चला आता है।
तेरी यह बात कहाँ रही ? अबीमेलेक कौन है कि हम उसके अधीन रहें?
ये तो वे ही लोग हैं जिनको तू ने निकम्मा जाना था?
इसलिये अब निकलकर उनसे लड़ !

हमारे लिए उनकी गनिती बड़ी है – वे ज़्यादा बलवान भी हैं !
वे हमारी सोच से ज़्यादा सशक्त हैं !
वे भाग रहें हैं, जैसा मैं जानता था कि वे करेंगे।
जहाँ तक हो सके - उनका पीछा करो !
युद्ध के समापन के पश्चात अगले दनि शकेम के नविासी भोजन वस्तुओं को लेने मैदानों में बाहर नकिले...
अबीमेलेक के आदमी ! वे अभी भी यहाँ हैं।
अबीमेलेक और उसके आदमयिों ने नगर को ढा दयिा, और उस पर नमक छड़िकवा दयिा क कुिछ भी फरि से न पनपे।

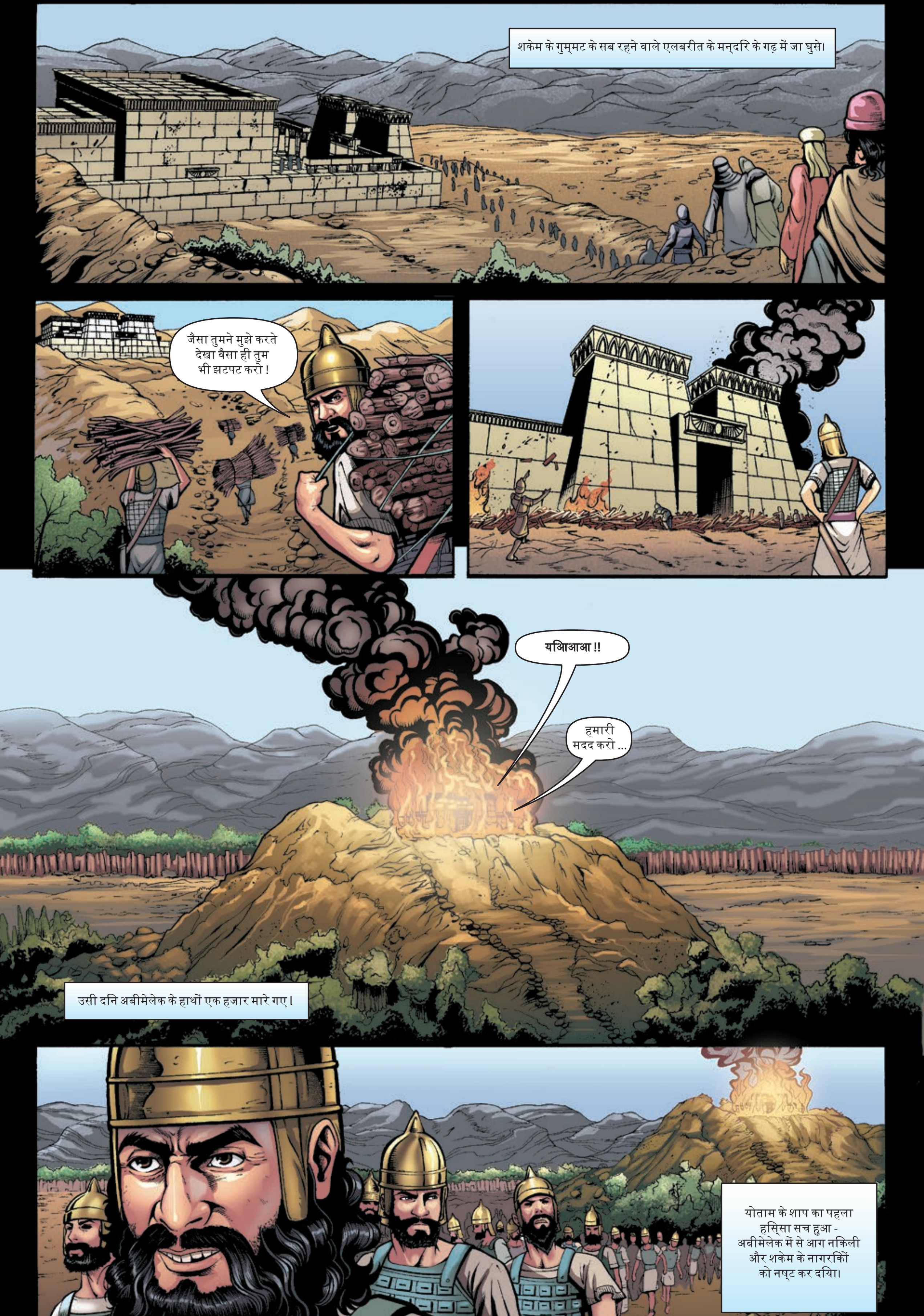

शकेम के गुम्मट के सब रहने वाले एलबरीत के मन्दरि के गढ़ में जा घुसे।
जैसा तुमने मुझे करते देखा वैसा ही तुम भी झटपट करो !
यआिआआ !!
हमारी मदद करो ...
उसी दनि अबीमेलेक के हाथों एक हजार मारे गए।
योताम के शाप का पहला हस्सिा सच हुआ - अबीमेलेक में से आग नकिली और शकेम के नागरकिों को नष्ट कर दयाि।

न्यायियों 9:46-49

थेबेज के निवासियों ने अपने आप को गुम्मट में बन्द कर लिया है।
हम इसे जला देंगे - जैसे शकेम में किया था।
मेरे रास्ते से हटो।
अबीमेलेक के लिए एक उपहार।
अरीईईईईई

मैं नहीं कर सकता....
अपनी तलवार खींचकर मुझे मार डाल, ऐसा न हो कि लोग कहने पाएँ, कि उसको एक स्त्री ने घात किया।
योताम की बाकी भविष्यिवाणी इस रीति से पूरी हुई, अबीमेलेक ने गिदोन के पुत्रों के घात किए जाने से अपनी दुष्टता की कीमत चुकाई।
अबीमेलेक के मरने के बाद, तोला नामक इस्साकारी ने इस्राएल पर 23 साल तक न्याय किया।
उसके बाद गिलादी याईर उठा, उसके तीस पुत्र थे जो गदहियों के तीस बच्चों पर सवार हुआ करते थे।
उसने इस्राएल की 22 साल अगुवाई की।

परमेश्वर ने इस संदेश को देने के लिए भविष्यद्वक्ता को भेजा।

न्यायियों 10:6-13

अब जाओ, जिन देवताओं को तुमने चुना था उनसे बात करो और आँसू बहाओ।
वे तुम्हें तुम्हारी मुसीबत से छुटकारा दें और बचाएँ।
हमने महा पाप किया है।
परमेश्वर से कह कि जो उन्हें अच्छा लगे वैसा ही करें, लेकिन अभी हमें बचा ले!
तुम्हें मालूम है कि तुम्हें क्या करना चाहिए।
उनके मनों में बदलाव को देखते हुए परमेश्वर ने उनकी सुनी।
तब अम्मोनि सैना ने इस्राएल में दाखिल होकर गिलाद में अपने डेरे डाले।
तब गिलाद के हाकिमों ने फैसला किया, जो पुरुष अम्मोनियों से संग्राम आरम्भ करेगा वही गिलाद के सब निवासियों का प्रधान ठहरेगा।

इस्राएल में एक बड़ा शूरवीर था जिसका नाम यिप्तह गिलादी था।
एक जवान अवस्था में उसे गिलाद नगर से निकाल दिया गया।
हालांकि गिलाद उसका पिता था, उसकी माँ वेश्या थी – उसके चचेरे भाई ने उसे गिलाद नगर से निकाल दिया।
निकल जा, तू वेश्या का बेटा है।
तेरा इस परिवार में कोई हिस्सा नहीं!
जो काम उसने बेहतरीन तरीके से किया कि युद्ध करते हुए, यिप्तह ने एक छोटी सेना अपने आसपास खड़ी कर ली।
गिलाद के बुजुर्ग लोग यिप्तह को मिलने आए।
चलकर हमारा प्रधान हो जा, कि हम अम्मोनियों से लड़ सकें। उन्होंने हमारे नगर के बाहर डेरा किया है।
क्या तुम ने मुझ से बैर करके मुझे मेरे पिता के घर से निकाल न दिया था?
अब संकट में पड़कर मेरे पास आए हो?
चलकर तू अम्मोनियों से लड़; तब तू गिलाद के सब निवासियों का प्रधान ठहरेगा।
यदि मैं अम्मोनियों से लड़ने को जाऊँ, और यहोवा उन्हें मेरे हाथ कर दे - तो क्या मैं तुम्हारा प्रधान ठहरूँगा?
यहोवा हमारे बीच में गवाह हो, तू हमारा प्रधान होगा।

न्यायियों 11:1-11

इस्राएलियों के अगुवे की ओर से संदेश आया है।
वे पूछते हैं मैं उनके नगर के विरुध क्यों हमला कर रहा हूँ?
कारण यह है कि उन्होंने यरदन तक हमारा देश छीन लिया था।
मुझे वह बिना किसी झगड़े के फेर दो।
इस संदेश को राजा तक पहुँचा दो।
“जब हमारे लोग मिस्र से बाहर निकले तब न तो मोआब का देश लिया और न अम्मोनियों का।
“तब हमने जंगल में चलते चलते एमोरियों के देश को जीत लिया।”
“तेरा कमोश देवता जो तुझे दे उसका अधिकारी हो और हमारा परमेश्वर यहोवा जो हमें देगा हम उसमें उन्नत करेंगे।”
“हम ने 300 सालों तक इन नगरों को अपने वश में रखा – तब तू इन्हें छुड़ाने क्यों नहीं आया?
“इसलिये यहोवा जो न्यायी है आज न्याय करे।”

न्यायियों 11:12-28

यहोवा से बल पाकर यिप्तह, अम्मोनी सेना की ओर चला गया।
सेनापतियों में ऐसी रीति थी कि वे परमेश्वर से मन्नत माँगते थे कि जब मैं कुशल के साथ लौट आऊँ तब होमबलि चढ़ाऊँगा।
परन्तु यिप्तह ने मूर्खतापूर्ण मन्नत माँगी।
जब मैं कुशल के साथ अम्मोनियों के पास से लौट आऊँ तब जो कोई मेरी भेंट के लिये मेरे घर के द्वार से निकले वह यहोवा का ठहरेगा, और मैं उसे होमबलि करके चढ़ाऊँगा।
यिप्तह और इस्राएल के लिए लड़ाई अनुकूल रही।
बीस कस्बे जिन पर कब्ज़ा हो चुका था वापस इस्राएल के हाथों में आ गए।
यिप्तह और सेना विजयी होकर घर लौटे।

न्यायियों 11:29-33

परन्तु जैसे ही यिप्तह घर पहुँचा, उसकी एकलौती बेटी दौड़ती हुई उससे मिलने को आई।
नहीं!!!
मेरी बेटी – तूने सभी पुरुषों में मुझे सबसे ज़्यादा नीच बना दिया है।
क्योंकि मैंने यहोवा को वचन दिया है जिसे मैं टाल नहीं सकता।
आपने यहोवा को वचन दिया है।
उसने तेरे शत्रु एमोरियों का पलटा लिया है।
“मेरी एक विनती को स्वीकार कर।”
“मेरे लिये यह किया जाए, कि दो महीने तक मुझे छोड़ा जाए, कि मैं अपनी सहेलियों सहित जाकर पहाड़ों पर फिरती हुई - अपने कुँवारीपन पर रोती रहूँ।”
इसलिये इस्राएलियों में यह रीति चली कि इस्राएली स्त्रियाँ प्रतिवर्ष यिप्तह गिलादी की बेटी का यश गाने को वर्ष में चार दिन तक जाया करती थीं।

न्यायियों 11:34-39

यह तो हमारे लोग हैं।
एप्रैम के लोग।
तू हमें बनिा बुलवाए अम्मोनियों से लड़ने को क्यों गया ?
हम तुझे तेरे घर समेत जला देंगे।
मैंने सहायता माँगी, तुम ने मुझे नहीं बचाया, मैं अपने प्राणों को हथेली पर रखकर अम्मोनियों के वरिुद्ध चला गया।
तुम सारे गलिादी भगोड़े हो।
इस बार यपि्तह अपने ही लोगों के वरिुध लड़ाई के लएि गया – और वजियी हुआ।
लड़ाई के बाद कुछ एप्रैमियों ने नदी को पार करके घर लौटना चाहा।
यपि्तह के पुरुषों ने उन्हें ढूँढ़ने के लएि एक योजना बनाई।
न्यायियों 12:1-5

अच्छा, शिब्बोलेत कह।
सिब्बोलेत।
इसे ले जाओ और घात करो।
क्योंकि उस से ठीक बोला नहीं गया – कोई भी एप्रैमी ठीक से इसे बोल नहीं सकता।
उस समय बयालीस हजार एप्रैमी मारे गए।
तब उस देश में युद्ध से शान्ति बनी रही।
अमोनियों को हराने के बाद यिप्तह छः वर्ष तक इस्राएल का न्याय करता रहा। तब यिप्तह गिलादी मर गया।
और उसको गिलाद के किसी नगर में मिट्टी दी गई।
यिप्तह के बाद तीन शासकों ने तकरीबन 25 साल तक न्याय किया – इबसान, एलोन और अब्दोन।
फिर इस्राएल का सबसे जाना माना न्यायी आया....

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV